



Presentator:

Dr. Suneil Kr. Tripathi

Associate Professor | Faculty CSE & Consultant

नीली क्रांति

भारत की नई आर्थिक शक्ति

Blue Economy | विकसित भारत 2047

मोदी का दूरदर्शी विकास दृष्टिकोण

- 25 वर्षों में करोड़ों कमजोर वर्गों का जीवन बदला
- पिछड़े जिले → "आकांक्षी जिले"
- सीमावर्ती गांव → "जीवंत पहला गांव"
- पूर्वोत्तर → "अष्टलक्ष्मी"
- 25 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाले

EMPOWERING
RURAL INDIA.
BUILDING
A DEVELOPED
BHARAT.

STRONG INFRASTRUCTURE.
SUSTAINABLE FUTURE.
TOGETHER.



CONNECTED
HIGHWAYS



MODERN
INFRASTRUCTURE



SMART
CITIES



SUSTAINABLE
DEVELOPMENT



EMPOWERED
COMMUNITIES





हरित, श्वेत और नीली क्रांति – तीन युग

- हरित क्रांति (1960s) → भुखमरी से मुक्ति
- भारत: चावल, गेहूं, दाल का शीर्ष उत्पादक
- श्वेत क्रांति → दूध की कमी खत्म
- भारत: विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक
- अब नीली क्रांति → समुद्री संपदा का दोहन

भारत की समुद्री शक्ति – नीली अर्थव्यवस्था

- 11,000+ किमी लंबी तटरेखा
- 24 लाख वर्ग किमी विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ)
- समृद्ध समुद्री परंपरा और संपदा
- दशकों तक इस क्षमता का उपयोग नहीं हुआ
- 2019 में पहली बार मत्स्य पालन मंत्रालय का गठन
- राष्ट्रीय ध्वज का नीला चक्र = नीली अर्थव्यवस्था का प्रतीक





मत्स्य पालन क्षेत्र – उपलब्धियाँ और आँकड़े

- भारत: विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक
- वैश्विक मत्स्य उत्पादन में ~8% योगदान
- ~3 करोड़ मछुआरों व मछली पालकों की आजीविका
- 2024-25 में मछली उत्पादन: 195 लाख टन से अधिक
- खाद्य सुरक्षा और पोषण में महत्वपूर्ण भूमिका

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और बजट 2025-26

- लक्षद्वीप के लिए मछली पालन विकास परियोजनाएं मंजूर
- EEZ (विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र) के गहरे पानी की क्षमता पहचानी गई
- गहरे समुद्र में सतत मछली पकड़ने की रूपरेखा घोषित
- मछुआरों को नए क्षेत्रों में जाने का भरोसा मिला
- बजट 2025-26 में नीली अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता





समुद्री खाद्य निर्यात – वैश्विक पहचान

- भारतीय सीफूड 120+ देशों तक पहुँच रहा है
- 2023-24 निर्यात: ₹73,000 करोड़ से अधिक
- 2013-14 की तुलना में ~140% की वृद्धि
- दुनिया ने भारतीय समुद्री खाद्य की गुणवत्ता पर भरोसा किया
- गहरे समुद्र से निर्यात कई गुना और बढ़ेगा

सतत मछली पकड़ना – नैतिक जिम्मेदारी

- समुद्र ने हजारों वर्षों से मानवता का पोषण किया
- सतत उपयोग = नैतिक और पर्यावरणीय जिम्मेदारी
- गैर-कानूनी व बिना विनियमन के मछली पकड़ने पर रोक
- नए मंत्रालय दिशा-निर्देश – सकारात्मक कदम
- संरक्षण उपायों का कड़ाई से अनुपालन जरूरी





नीली क्रांति से रोजगार के नए अवसर

- गहरे समुद्र में मछली पकड़ने से बड़े पैमाने पर रोजगार
- प्रसंस्करण और कोल्ड चेन उद्योग में नौकरियाँ
- परिवहन, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स में विस्तार
- निर्यात सेवाओं में नए अवसर
- तटीय भारत की आर्थिक जिंदगी मजबूत होगी

विकसित भारत 2047 – नीली क्रांति का संकल्प

- नीली अर्थव्यवस्था: समृद्ध, समावेशी और स्थायी
- युवा: मछली पकड़ना = विज्ञान, तकनीक और नवाचार का पेशा
- संस्थान: मछुआरों को ज्ञान, तकनीक और वित्त से समर्थन दें
- हर वर्ग की भागीदारी = विकसित भारत
- साथ मिलकर बनाएं – एक मजबूत तटीय भारतमाता 🇮🇳

Presentator:

Dr. Suneil Kr. Tripathi

Associate Professor, Faculty CSE & Consultant

